दिवाली [Diwali] पर निबंध (Essay on Diwali in Hindi) - दीपावली [Deepawali] पर निबंध हिंदी में Class 1 से 10 तक के लिए यहाँ देखें

दिवाली [Diwali] पर निबंध (Diwali Essay in Hindi) - दिवाली **[Diwali]** हिंदुओं का सबसे बड़ा त्योहर है। बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक इस त्योहार और इसकी खूबियों से छात्रों को परिचित कराने के लिए छोटी कक्षाओं में **दिवाली [Diwali] पर निबंध (Diwali Essay in Hindi) का प्रश्न हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में** पूछा जाता है। इस **हिंदी दिवाली [Diwali] निबंध (Diwali Essay in Hindi) से** उन युवा शिक्षार्थियों को फायदा मिलेगा जो दीवाली त्योहार पर हिंदी में निबंध लिखना चाहते हैं। हमने नीचे दिए गए निबंध में शुभ दिवाली **[Diwali]** त्योहार (Diwali Festival) के बारे में जानकारी उपलब्ध कराने का एक छोटा सा प्रयास किया है। बच्चे दिवाली **[Diwali]** पर हिंदी के इस निबंध से कुछ सीख कर लाभ उठा सकते हैं कि वाक्यों को कैसे तैयार किया जाए और साथ ही साथ अपने हिंदी लेखन कौशल को भी बेहतर बना सकते हैं।

प्रस्तावना (Introduction)

दिवाली **[Diwali]** हिंदुओं के सबसे लोकप्रिय त्योहारों में से एक है जिसे बहुत उत्साह और खुशी के साथ मनाया जाता है। बच्चों को दिवाली **[Diwali]** पर निबंध लिखकर उन्हें त्योहार के बारे में अपने आनंदमय अनुभव साझा करने का अवसर मिलता है। युवा आमतौर पर इस त्योहार को बेहद पसंद करते हैं क्योंकि यह सभी के लिए ढेर सारी खुशियाँ और आनंदमय क्षण लेकर आता है। वे अपने परिवार, दोस्तों और रिश्तेदारों से मिलते हैं और अपने प्रियजनों के साथ बधाई और उपहार साझा करते हैं। अधिकतर लोग इस दौरान गूगल पर साल 2022 में दिवाली **[Diwali]** कब है ढूंढते हैं। ऐसे में आपकी जानकारी के लिए बता दें कि वर्ष 2022 में दिवाली **[Diwali]** पर्व 24 अक्टूबर, 2022 को मनाया जाएगा। इस दिन विशेष रूप से माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है। साल 2023 में दिवाली **[Diwali]** पर लक्ष्मी पूजन मुहूर्त 18:54:52 से शुरू होकर 20:16:07 बजे खत्म हो जाएगा। लक्ष्मी पूजन मुहूर्त की कुल अवधि लगभग 01 घंटे 21 मिनट रहेगी। वहीं वर्ष 2021 में, 4 नवंबर को दिवाली **[Diwali]** का त्योहार देश भर में मनाया गया था।

छात्र नीचे दिए गए दिवाली **[Diwali]** त्योहार पर निबंध (Essay of Diwali Festival) की जांच कर सकते हैं और दिवाली **[Diwali]** त्योहार के बारे में अपने व्यक्तिगत अनुभव व्यक्त करने या साझा करने के लिए इस विषय पर कुछ पंक्तियां लिखने का प्रयास कर सकते हैं।

दिवाली [Diwali] पर निबंध (Essay on Diwali in Hindi)

दीपावली [Deepawali] का अर्थ: दिवाली **[Diwali]** जिसे "दीपावली **[Deepawali]**" के नाम से भी जाना जाता है, भारत और दुनिया भर में रहने वाले हिंदुओं के सबसे पवित्र त्योहारों में से एक है। 'दीपावली **[Deepawali]**' संस्कृत के दो शब्दों से मिलकर बना है – दीप + आवली। 'दीप' का अर्थ होता है 'दीपक' तथा 'आवली' का अर्थ होता है 'श्रृंखला', जिसका मतलब हुआ दीपों की श्रृंखला या दीपों की पंक्ति। दीपावली **[Deepawali]** का त्योहार कार्तिक मास के अमावस्या के दिन मनाया जाता है। यह त्योहार दुनिया भर के लोगों द्वारा बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। हालांकि इसे हिंदू त्योहार माना जाता है, लेकिन विभिन्न समुदायों के लोग भी पटाखे और आतिशबाजी के जरिए इस उज्ज्वल त्योहार को मनाते हैं।

दीपावली [Deepawali] त्योहार की तैयारी: दीपावली **[Deepawali]** त्योहार की तैयारियां दिवाली **[Diwali]** से कई दिनों पहले ही आरंभ हो जाती है। दीपावली **[Deepawali]** के कई दिनों पहले से ही लोग अपने घरों की साफ-सफाई करने में जुट जाते हैं क्योंकि ऐसी मान्यता है कि जो घर साफ-सुथरे होते हैं, उन घरों में दिवाली **[Diwali]** के दिन माँ लक्ष्मी विराजमान होती हैं और अपना आशीर्वाद प्रदान करके वहां सुख-समृद्धि में बढ़ोत्तरी करती है। दिवाली **[Diwali]** के नजदीक आते ही लोग अपने घरों को दीपक और तरह-तरह के लाइट से सजाना शुरू कर देते हैं।

दिवाली [Diwali] में पटाखों का महत्व: दिवाली **[Diwali]** को "रोशनी का त्योहार" कहा जाता है। लोग मिट्टी के बने दीपक जलाते हैं और अपने घरों को विभिन्न रंगों और आकारों की रोशनी से सजाते हैं, जिसे देखकर कोई भी मंत्रमुग्ध हो सकता है। बच्चों को पटाखे जलाना और विभिन्न तरह के आतिशबाजी जैसे फुलझड़ियां, रॉकेट, फव्वारे, चक्री आदि बहुत पसंद होते हैं।

दिवाली [Diwali] का इतिहास: हिंदुओं के अनुसार, दिवाली **[Diwali]** के दिन ही भगवान श्री राम 14 वर्षों के वनवास के बाद अपनी पत्नी सीता, भाई लक्ष्मण और उनके उत्साही भक्त हनुमान के साथ अयोध्या लौटे थे, अमावस्या की रात होने के कारण दिवाली **[Diwali]** के दिन काफी अंधेरा होता है, जिस वजह से उस दिन पुरे अयोध्या को दीपों और फूलों से श्री श्री राम चंद्र के लिए सजाया गया था

ताकि भगवान श्री राम के आगमन में कोई परेशानी न हो, तब से लेकर आज तक इसे दीपों का त्योहार और अंधेरे पर प्रकाश की जीत के रूप में मनाया जाता है।

इस शुभ अवसर पर, बाजारों में गणेश जी, लक्ष्मी जी, श्री राम जी आदि की मूर्तियों की खरीदारी की जाती है। बाजारों में खूब चहल पहल होती है। लोग इस अवसर पर नए कपड़े, बर्तन, मिठाइयां आदि खरीदते है। हिंदुओं द्वारा देवी लक्ष्मी की पूजा की जाती है क्योंकि व्यापारी दिवाली **[Diwali]** पर नई खाता बही की शुरुआत करते हैं। साथ ही, लोगों का मानना है कि यह खूबसूरत त्योहार सभी के लिए धन, समृद्धि और सफलता लाता है। लोग दिवाली **[Diwali]** के त्योहार के दौरान अपने परिवार, दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ उपहारों का आदान-प्रदान करने के लिए तत्पर रहते हैं।

दीपवाली से जुड़ी सामाजिक कुरीतियां

दिवाली **[Diwali]** जैसे धार्मिक महत्व वाले पर्व को भी कुछ असामाजिक तत्व अपने निरंतर प्रयास जैसे मदिरापान, जुआ खेलना, टोना-टोटका करना और पटाखों के गलत इस्तेमाल से ख़राब करने में जुटे रहते हैं। अगर समाज में दिवाली **[Diwali]** के दिन इन कुरीतियों को दूर रखा जाए तो दिवाली **[Diwali]** का पर्व वास्तव में शुभ दीपावली **[Deepawali]** हो जाएगा।

उपसंहार (Conclusion)

दीपावली **[Deepawali]** अपने अंदर के अंधकार को मिटा कर समूचे वातावरण को प्रकाशमय बनाने का त्योहार है। बच्चे अपनी इच्छानुसार बम, फुलझड़ियाँ तथा अन्य पटाखे खरीदते हैं और आतिशबाजी का आनंद उठाते हैं। हमें इस बात को समझना होगा कि दीपावली **[Deepawali]** के त्योहार का अर्थ दीप, प्रेम और सुख-समृद्धि से है। इसलिए पटाखों का इस्तेमाल सावधानी पूर्वक और अपने बड़ों के सामने रहकर करना चाहिए। दिवाली **[Diwali]** का त्योहार हमें हमेशा आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। दीपावली **[Deepawali]** का त्योहार सांस्कृतिक और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक है। इस त्योहार के कारण लोगों में आज भी सामाजिक एकता बनी हुई है। हिंदी साहित्यकार गोपालदास नीरज ने भी कहा है, "जलाओ दिए पर रहे ध्यान इतना, अँधेरा धरा पर कहीं रह न जाए।" इसलिए दीपोत्सव यानि दीपावली **[Deepawali]** पर प्रेम और सौहार्द को बढ़ावा देने के प्रयत्न करने चाहिए।

दीपावली [Deepawali] के साथ मनाए जाने वाले उत्सव (Celebrations celebrated with Deepawali)

- दीपावली **[Deepawali]** का यह त्योहार करीब 5 दिनों का होता है। जिस के पहले दिन धनतेरस होता है। धनतेरस के दिन लोग धातु की वस्तुओं जैसे सोने और चांदी के आभूषण को खरीद कर अपने घर जरूर लेकर जाते हैं।
- दीपावली **[Deepawali]** का दूसरा दिन नरक चतुर्थी के रूप में मनाया जाता है। कुछ लोग इस दिन को छोटी दिवाली **[Diwali]** के रूप में भी मनाते हैं।
- तीसरा दिन दीपावली **[Deepawali]** त्योहार का मुख्य दिन होता है। इस दिन महालक्ष्मी और गणेश जी की पूजा की जाती है।
- दीपावली **[Deepawali]** के चौथे दिन गोवर्धन पूजा की जाती है, क्योंकि इस दिन भगवान कृष्ण ने इंद्र के क्रोध से हुई मूसलाधार वर्षा से लोगों को बचाने के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी एक उंगली पर उठा लिया था।
- दिवाली **[Diwali]** के त्योहार के आखिरी दिन को भाई दूज के रूप में मनाया जाता है।

दिवाली [Diwali] पर निबंध 10 लाइन

1) दीपावली **[Deepawali]** को दीपों का त्योहार कहा जाता है।

2) दिवाली **[Diwali]** भारत का सबसे लोकप्रिय और सबसे बड़ा त्यौहार है।

3) यह त्यौहार भगवान श्री राम की याद में मनाया जाता है जो चौदह वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटे थे।

4) इस अवसर पर हिंदू मिट्टी के दीपक जलाते हैं और अपने घरों को रंगोली से सजाते हैं।

5) बच्चे इस त्योहार पर पटाखे जलाकर बहुत खुश होते हैं।

6) हिंदुओं में इस अवसर पर धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं।

7) युवा, वयस्क और बूढ़े सभी देवी लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा करते हैं।

8) हिंदू अपने दोस्तों और पड़ोसियों के साथ मिठाई और उपहार बांटते हैं।

9) भारत में सार्वजनिक अवकाश मनाया जाता है और लोग इस त्योहार का बड़े उत्साह के साथ आनंद लेते हैं।

10) यह हिंदुओं के सबसे प्रिय और आनंददायक त्योहारों में से एक है।

Frequently Asked Question (FAQs) - दिवाली [Diwali] पर निबंध (Essay on Diwali in Hindi) - दीपावली [Deepawali] पर निबंध हिंदी में Class 1 से 10 तक के लिए यहाँ देखें

प्रश्न: दिवाली **[Diwali]** क्यों और कैसे मनाई जाती है?

उत्तर:

दिवाली **[Diwali]** 14 साल के वनवास के बाद भगवान श्री राम की अयोध्या वापसी और साथ ही अंधकार पर रोशनी का प्रतीक है। अपने घरों की सफाई और उन्हें तरह तरह के लाइट से सजाने के बाद लक्ष्मी गणेश की पूजा के साथ दीपावली **[Deepawali]** का त्योहार धूम धाम से मनाया जाता है, तथा रात के समय बच्चे आतिशबाजी का भी लुफ्त उठाते हैं।

प्रश्न: दिवाली **[Diwali]** में क्या है खास?

उत्तर:

इस त्योहार के दौरान, लोग अपने घरों को रंगोली और तेल के दीयों से सजाते हैं, जिन्हें दीपक कहा जाता है। सभी एक दूसरे को बधाई देते हैं, अच्छे अच्छे पकवान बनाते हैं, पटाखों से आतिशबाजी करते हैं और मिल-जुल कर सौहार्द के साथ दिवाली **[Diwali]** के पर्व को मनाते हैं।

प्रश्न: दीपावली **[Deepawali]** का अर्थ क्या है?

उत्तर:

दीपावली **[Deepawali]**' संस्कृत के दो शब्दों से मिलकर बना है – दीप + आवली। 'दीप' अर्थात 'दीपक' और 'आवली' अर्थात 'श्रृंखला', जिसका मतलब हुआ दीपकों की श्रृंखला या दीपों की पंक्ति।

प्रश्न: मेरा प्रिय त्योहार दिवाली **[Diwali]** पर निबंध हिंदी में कैसे लिखें?

उत्तर:

आप इस लेख की सहायता से दिवाली **[Diwali]** पर हिंदी में निबंध लिख सकते है, पूरे लेख को ध्यान से पढ़ें और समझें की आप किस तरह से दिपावली पर हिंदी निबंध लिख सकते हैं।

प्रश्न: दिवाली **[Diwali]** का त्यौहार कैसे मनाया जाता है?

उत्तर:

दिवाली **[Diwali]** का त्योहार मिट्टी के दीप या फिर तरह -तरह के लाइट और रंगोली से अपने घर को सजा कर, खुशियां बाँट कर, लक्ष्मी गणेश की पूजा करके, अच्छे अच्छे पकवान बना कर हर्ष और उल्लास के साथ दिवाली **[Diwali]** का त्योहार मनाया जाता है।

प्रश्न: वर्ष 2022 में दिवाली **[Diwali]** कब है? Diwali kab manai jaegi?

उत्तर:

वर्ष 2022 में दिवाली **[Diwali]** 24 अक्टूबर को मनाई जाएगी। Diwali 24 October, 2022 ko manai jaegi.